दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काज़ी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

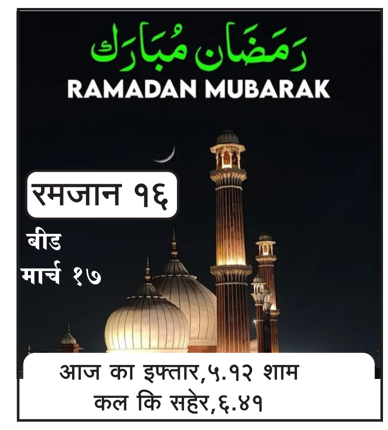

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-२२३ वा | सोमवार १७ मार्च २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रुपये | पन्ने - ४

संविधान विरोधी आचरण करने वाले नितेश राणे का इस्तीफा लिया जाए: ठाकरे गुट के नेता ने राज्यपाल से की मांग

जमीर काज़ी । मुंबई

महाराष्ट्र सरकार में मत्स्य पालन मंत्री नितेश राणे द्वारा लगातार दिए जा रहे विवादित बयानों के खिलाफ विरोध के स्वर तेज हो रहे हैं। उद्धव ठाकरे गुट के राज्य संघटक अखिल चित्रे ने राज्यपाल को पत्र लिखकर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से नितेश राणे का तत्काल इस्तीफा लेने या फिर राज्यपाल द्वारा उन्हें बर्खास्त किए जाने की मांग की है।

राज्यपाल को सौंपा गया पत्र

राज्यपाल को सौंपे गए पत्र में अखिल चित्रे ने लिखा है कि,

नितेश राणे संविधान की शपथ लेकर उसके खिलाफ आचरण कर रहे हैं। वे यह तय करने की कोशिश कर रहे हैं कि कौन क्या खाए और कहां खाए। वे छत्रपति शिवाजी महाराज के इतिहास को तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत कर रहे हैं और गर्व से कहते हैं कि 'मेरा बॉस सागर बंगले में बैठा है'।

चित्रे ने आरोप लगाया कि राणे अपने मंत्री पद की शपथ का उल्लंघन कर रहे हैं। मंत्री पद की शपथ में कहा गया है कि कोई भी मंत्री बिना किसी भेदभाव के सभी नागरिकों को समान रूप से न्याय देगा और किसी के प्रति दुर्भावना नहीं रखेगा। लेकिन, नितेश राणे बार-बार इस शपथ का उल्लंघन कर रहे हैं, इसलिए राज्यपाल को उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

संविधान के खिलाफ बयानबाजी

अखिल चित्रे ने कहा, संविधान के अनुच्छेदों के अनुसार, किसी भी मंत्री को अपने पद का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। लेकिन, नितेश राणे खुले तौर पर कहते हैं कि वे विपक्षी दलों के सरपंचों और नेताओं को एक भी रुपया नहीं देंगे। विकास निधि जनता के करों से आता है, यह किसी मंत्री के पिता की निजी संपत्ति नहीं है।

इसके अलावा, चित्रे ने सवाल किया कि,क्या संविधान की शपथ लेकर इस तरह का आचरण करने वाला व्यक्ति मंत्री पद पर बने रहने योग्य है?

मुख्यमंत्री फडणवीस पर भी उठाए सवाल अखिल चित्रे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से इस मुद्दे पर अपनी चुप्पी तोड़ने की अपील की। उन्होंने कहा,

फडणवीस राज्य सरकार के प्रमुख हैं, क्या वे नितेश राणे के बयानों का समर्थन करते हैं? अगर नहीं, तो उनके खिलाफ अब तक कानूनी कार्रवाई क्यों नहीं की गई?

अखिल चित्रे ने मुख्यमंत्री से स्पष्ट रूप से अपना रुख बताने की मांग करते हुए कहा कि इस संबंध में सरकार को जल्द फैसला लेना चाहिए। उन्होंने राज्यपाल से भी आग्रह किया कि वे नितेश राणे को उनके पद से हटाने के लिए तुरंत कार्रवाई करें।

'गाळमुक्त धरण, गाळयुक्त शिवार' योजना के लिए राज्य सरकार और ए.टी.ई. चंद्रा फाउंडेशन के बीच समझौता

विशेष प्रतिनिधि । मुंबई

महाराष्ट्र में 'जलयुक्त शिवार योजना-२' के तहत 'गाळमुक्त धरण, गाळयुक्त शिवार' योजना को प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। इस योजना के माध्यम से धरणों (बांधों) में जलसंचय क्षमता बढ़ाने के साथ ही कृषि भूमि की उर्वरता में भी वृद्धि हो रही है। इस योजना के बेहतर क्रियान्वयन और प्रभावी सहभागिता को लेकर ए.टी.ई. चंद्रा फाउंडेशन और राज्य सरकार के मृदा व जलसंधारण विभाग के बीच समझौता (चेण) किया गया है।

मुख्यमंत्री फडणवीस की महत्त्वाकांक्षी योजना

'गाळमुक्त धरण, गाळयुक्त शिवार' मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की एक महत्त्वाकांक्षी योजना है, जिसमें सामाजिक संस्थाएँ भी कार्य करने के लिए इच्छुक हैं। इस परियोजना में ए.टी.ई. चंद्रा फाउंडेशन के सक्रिय सहयोग से राज्य में जल उपलब्धता बढ़ेगी, भूमि की उर्वरता में सुधार होगा और किसानों की पैदावार में वृद्धि होगी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने मृदा व जलसंधारण विभाग को निर्देश दिए हैं कि वे इस योजना के कार्यान्वयन में फाउंडेशन का पूरा सहयोग करें।

फाउंडेशन से मिलेगा तकनीकी और मानव संसाधन सहयोग

इस समझौते के तहत, ए.टी.ई. चंद्रा फाउंडेशन योजना के लिए तकनीकी सहायता, परियोजना प्रबंधन कक्ष और मानव संसाधन सहयोग प्रदान करेगा। फाउंडेशन द्वारा विकसित 'अवनी ग्रामीण ऐप' के माध्यम से योजना से जुड़े कार्यों का डेटा संग्रह और निगरानी की जाएगी। इसके अलावा, फाउंडेशन स्वयंसेवी संगठनों के कर्मियों को 'अवनी ग्रामीण ऐप' के उपयोग का प्रशिक्षण भी देगा।

जलसंरक्षण और भूमि सुधार की अभिनव पहल

'गाळमुक्त धरण, गाळयुक्त शिवार' योजना महाराष्ट्र सरकार की एक अनूठी पहल है, जिसके तहत बांधों और तालाबों से गाद (गाळ) हटाकर उसे कृषि भूमि में डाला जाता है। इससे जलसंचय में वृद्धि होती है और भूमि की उर्वरता बढ़ती है।

पिछले दो वर्षों में:

१,५०० से अधिक जलस्रोतों से लगभग ४.५ करोड़ घनमीटर गाद निकाली गई।

४०,००० से अधिक किसानों ने अपनी कृषि भूमि में इस गाद का उपयोग किया।

प्रदेश के ३४ जिलों में ९ करोड़ घनमीटर से अधिक गाद हटाने की क्षमता है।

१.८ लाख से अधिक किसान इस गाद को अपने खेतों तक ले जाने के लिए तैयार हैं।

एक बड़ा भागीदारी प्रयास

'गाळमुक्त धरण, गाळयुक्त शिवार' योजना एक सामूहिक सहभागिता मॉडल है, जिसमें सरकारी विभाग, सामाजिक संगठन और स्थानीय समुदाय एक साथ कार्य कर रहे हैं। यह योजना राज्य के जल प्रबंधन और कृषि विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है, जिससे किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है।

महाराष्ट्र में दर्ज हुआ सबसे अधिक तापमान, महाराष्ट्र में हीटवेव का अलर्ट जारी

मुंबई: संवादाता

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए बताया है कि गर्मी की शुरुआत होते ही पूर्वी और पश्चिमी भारत में भीषण गर्मी की स्थिति पैदा हो गई है. कई क्षेत्रों में तापमान ४० डिग्री सेल्सियस से ज्यादा तक पहुंच गया. इस बीच मौसम विभाग ने महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में हीटवेव की चेतावनी जारी की है. वहीं पिछले साल इस तरह के हीटवेव की शुरूआत अप्रैल में हुई थी.

मौसम विभाग के अनुसार, बीते शनिवार को महाराष्ट्र के चंद्रपुर में ४२ डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया. जबकि अकोला में ४१.३ डिग्री, वर्धा में ४१ डिग्री, अमरावती में ४०.४ डिग्री, नागपुर में ४०.२ डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया. वहीं ओडिशा के बौध में देश भर में सबसे ज्यादा तापमान ४२.५ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया.

मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि बीते साल ५ अप्रैल को इतना तापमान दर्ज किया गया था. उन्होंने कहा कि इस बार गंभीर हीटवेव की शुरुआत जल्दी हो गई है. कभी-कभी ऐसा होता है कि मार्च में इस तरह की स्थित बन जाती है. वरना आम तौर पर अप्रैल में ही इतना तापमान दर्ज किया जाता है. वहीं ओडिशा, सौराष्ट्र, कच्छ, तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर अधिकतम तापमान ४०-४२ डिग्री सेल्सियस के बीच है. जबकि गुजरात और मध्य प्रदेश के कई स्थानों और छत्तीसगढ़, तटीय आंध्र प्रदेश में कुछ स्थानों पर ३८-४० डिग्री सेल्सियस के बीच तापमान दर्ज किया गया है. पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, विदर्भ और गंगीय पश्चिम बंगाल में अलग-अलग स्थानों पर वर्तमान तापमान सामान्य से काफी ऊपर (५.१ डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक) है.

गुजरात के अधिकांश स्थानों पर, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, पूर्वी मध्य प्रदेश और मराठवाड़ा के कई स्थानों पर और मध्य महाराष्ट्र के कुछ स्थानों पर सामान्य से काफी अधिक तापमान (३.१ओउ से ५ओउ) दर्ज किया जा रहा है.

अगर औरंगजेब के मकबरे को नहीं हटाया गया, तो उसे 'बाबरी मस्जिद' की तरह गिरा देंगे-वीएचपी नेता विवेक कुलकर्णी

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल का राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन आज

मुंबई, १६ मार्च (अज़ीज़ एजाज़)

महाराष्ट्र में औरंगजेब के मकबरे को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। इसी बीच विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) और बजरंग दल ने राज्य सरकार को चेतावनी देते हुए कहा है कि औरंगजेब का मकबरा जबरदस्ती, गुलामी और बेबसी की निशानी है। सरकार को इसे जल्द से जल्द हटा देना चाहिए। अगर सरकार ऐसा नहीं करती है, तो हमें १९९२ में अयोध्या में जो करना पड़ा था, वह दोहराना पड़ेगा।

इसी पृष्ठभूमि में, वीएचपी और बजरंग दल ने आज, १७ मार्च (सोमवार), को राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है। वीएचपी-बजरंग दल के महाराष्ट्र-गोवा क्षेत्र के समन्वयक विवेक कुलकर्णी ने बताया कि हर जिले के कलेक्टर और तहसीलदार कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा, जहां प्रशासन को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

सरकार अलर्ट, कट्टरपंथी नेताओं पर प्रतिबंध

खुफिया विभाग (इंटेलिजेंस) की रिपोर्ट के बाद, सरकार ने पुलिस को सतर्क कर दिया है। रिपोर्ट में बताया गया कि कुछ कट्टर हिंदू संगठन औरंगजेब के मकबरे को नुकसान पहुंचाने की योजना बना सकते हैं। इसी के चलते, पुलिस ने हिंदू कट्टरपंथी संगठनों के नेताओं पर कार्रवाई की है। समस्त हिंदुत्व आघाड़ी के नेता मिलिंद एकबोटे, छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) जिले के पूर्व विधायक, हिंदू एकता मोर्चा, समस्त हिंदू आघाड़ी, शिव प्रताप भूमि मुक्ति आंदोलन से जुड़े कई नेताओं को १६ मार्च से ५ अप्रैल तक औरंगाबाद जिले में प्रवेश करने से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

औरंगजेब के मकबरे की सुरक्षा बढ़ाई गई

संभावित गड़बड़ी और उपद्रव को रोकने के लिए प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। एसआरपीएफ (डठझऋ) की टुकड़ी तैनात की गई है। १५ वरिष्ठ अधिकारियों की तैनाती की गई है।

खुल्दाबाद कब्रिस्तान के आसपास दो जगह नाकाबंदी कर दी गई है। प्रत्येक व्यक्ति की जांच की जा रही है जो मकबरे की ओर जा रहा है। राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन इस मुद्दे को लेकर अलर्ट पर है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को टाला जा सके। वहीं, वीएचपी और बजरंग दल का आंदोलन आज किस रूप में सामने आता है, इस पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

विधान परिषद चुनाव: भाजपा के तीन उम्मीदवार घोषित, अजित पवार व शिंदे गुट में रस्साकशी जारी

झीशान सिद्दीकी, संजय दौंड भी रेस में ।

जमीर काज़ी । मुंबई

महाराष्ट्र विधान परिषद की पांच रिक्त सीटों के लिए २७ मार्च को होने वाले चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने तीन उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है। दादाराव केचे, संजय केणेकर और संदीप जोशी को उम्मीदवार बनाया गया है, जो सोमवार को अपना नामांकन दाखिल करेंगे। विधानसभा के सदस्यों द्वारा चुने जाने वाली इन सीटों के लिए सोमवार नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि है। भाजपा के वरिष्ठ और निष्ठावान नेता माधव भंडारी के नाम की चर्चा थी, लेकिन इस बार भी उन्हें टिकट नहीं मिला। महायुती में अभी भी अनिश्चितता महायुती की बाकी दो सीटों के उम्मीदवारों को लेकर अजित पवार गुट और शिवसेना (शिंदे गुट) के बीच अभी भी घमासान जारी है। दोनों गुटों में इच्छुक उम्मीदवारों की लंबी सूची होने के कारण सोमवार सुबह तक उनके नामों की घोषणा होने की संभावना जताई जा रही है।

यह चुनाव उन पांच विधान परिषद सदस्यों के इस्तीफे के कारण हो रहा है, जिन्होंने विधानसभा चुनाव जीतने के बाद इस्तीफा दे दिया था। इन पांचों पूर्व विधान परिषद सदस्य सत्तारूढ़ महायुती के थे, जिनमें तीन भाजपा से, जबकि एक-एक अजित पवार गुट और शिवसेना (शिंदे गुट) से थे।

भाजपा में माधव भंडारी को फिर झटका

भाजपा ने दिल्ली भेजी गई उम्मीदवारों की सूची में माधव भंडारी और अमरनाथ राजूरकर का नाम भेजा था, लेकिन अंतिम सूची में दादाराव केचे, संजय केणेकर और संदीप जोशी को जगह दी गई। माधव भंडारी पिछले कई वर्षों से भाजपा और संघ परिवार में सक्रिय रूप

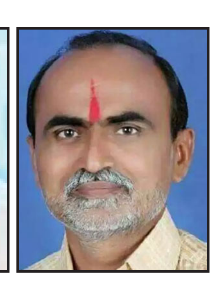

से काम कर रहे हैं, लेकिन २०१४ में सत्ता में आने के बाद से उन्हें कोई महत्वपूर्ण पद नहीं मिला। हर बार विधान परिषद और राज्यसभा चुनाव में उनका नाम चर्चा में आता है, लेकिन अंततः वह वंचित रह जाते हैं। इस बार भी यही हुआ।

राष्ट्रवादी कांग्रेस में भी उम्मीदवारों की लंबी कतार

राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजित पवार गुट) की ओर से भी विधान परिषद जाने के लिए भारी प्रतिस्पर्धा है। कोर कमेटी ने झीशान सिद्दीकी, संजय दौंड और उमेश पाटिल को नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए आवश्यक दस्तावेज तैयार रखने के निर्देश दिए हैं। इन तीनों में से किसी एक को टिकट दिया जाएगा।

विधानसभा में राजेश विटेकर के जाने के कारण राष्ट्रवादी कांग्रेस की एक सीट खाली हुई है। इस सीट के लिए १०० से अधिक उम्मीदवारों ने आवेदन किए थे।

शिवसेना (शिंदे गुट) में भी मंथन जारी

शिवसेना (शिंदे गुट) की ओर से शीतल मात्रे और अन्य दो उम्मीदवारों के नामों की चर्चा चल रही है, लेकिन अंतिम निर्णय सोमवार को घोषित किया जाएगा।

अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि महायुती में शेष दो सीटों के लिए कौन से उम्मीदवार तय होते हैं और सोमवार को नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद किस गुट को कितना फायदा होता है।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

महाराष्ट्र में बीजेपी सरकार 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' जैसी टोली की सरकार: हरशवर्धन सपकाळ

किसानों को फसल के उचित दाम नहीं, कर्जमाफी नहीं, १० लाख बहनों को 'लाडकी बहन' योजना से किया वंचित

मुंबई, १६ मार्च (अज़ीज़ एजाज़)

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हरशवर्धन सपकाळ ने बीजेपी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह सरकार 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' जैसी टोलियों की सरकार है और इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार ने किसानों को उनकी फसल का उचित दाम और कर्जमाफी देने का वादा किया था, लेकिन अब तक कुछ भी नहीं किया। वहीं, 'लाडकी बहन' योजना के नाम पर सत्ता में आई यह सरकार १० लाख महिलाओं को इस योजना से वंचित कर चुकी है।

कांग्रेस अब कोकण में पार्टी को मजबूत करने पर देगी जोर

राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था और नेताओं का दोहरा चरित्र

रत्नागिरी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, हरशवर्धन सपकाळ ने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब हो चुकी है।

बीड जिले में एक सरपंच की बेरहमी से हत्या कर दी गई, लेकिन इस हत्या के पीछे कौन था, यह जनता देख चुकी है।

एक मंत्री फर्जी दस्तावेज जमा करने के आरोप में दोषी पाया गया है।

सिंधुदुर्ग के मंत्री रोजाना भड़काऊ बयान देकर राज्य में तनाव फैला रहे हैं।

छत्रपति शिवाजी महाराज के इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। कोकण और मुंबई का गहरा संबंध है, लेकिन बीजेपी कोकण की पारंपरिक पहचान को खत्म करने की साजिश कर रही है।

बीजेपी उद्योगपतियों के लिए कोकण को नष्ट कर रही है

उन्होंने कहा कि कोकण में अत्यधिक खनिज संपदा पाई जाती है, जिसे उद्योगपतियों को सौंपने की तैयारी की जा रही है। इसके विरोध को दबाने के लिए धार्मिक और सामाजिक मुद्दों को उछाला जा रहा है।

यह सरकार केवल उद्योगपतियों के हित में काम कर रही है। कोकण के विकास का झूठा सपना दिखाकर यहां के संसाधनों को बेचने की तैयारी हो रही है। 'शक्ति पीठ' बनाकर भी उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाया जा रहा है, - हरशवर्धन सपकाळ।

छत्रपति शिवाजी महाराज पर राजनीति

हरशवर्धन सपकाळ ने कहा कि बीजेपी की राजनीतिक विचारधारा छत्रपति शिवाजी महाराज का सम्मान करने वाली नहीं है।

बीजेपी के नेताओं ने कभी शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक समारोह का विरोध किया था।

संत तुकाराम, संत ज्ञानेश्वर और सावित्रीबाई फुले का विरोध करने वाली मानसिकता आज भी बीजेपी में है।

शिवाजी महाराज की समाधि को २०० साल तक छुपाया गया था, जिसे ज्योतिराव फुले ने खोजा था।

उन्होंने कहा कि बीजेपी असल में संविधान को नहीं मानती, बल्कि आरएसएस की 'बंच ऑफ थॉट्स' विचारधारा का पालन करती है।

बीजेपी लगातार शिवाजी और संभाजी महाराज का अपमान कर रही है

उन्होंने कहा कि बीजेपी के लोग शिवाजी और संभाजी महाराज की बार-बार बेइज्जती कर रहे हैं और ऐसा करने वालों को बचाया जा रहा है।

सोलापुरकर और कोंटकर ने शिवाजी महाराज का अपमान किया, लेकिन उन्हें बीजेपी का समर्थन प्राप्त है।

शिवेंद्रराजे भोसले को इस सरकार में बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उन्हें तुरंत इस्तीफा देना चाहिए।

कोकण में कांग्रेस को मजबूत किया जाएगा

हरशवर्धन सपकाळ ने कहा कि कोकण में सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने और अशांति फैलाने की साजिश हो रही है। बीजेपी की गठबंधन सरकार यहां के खनिज उद्योगों को पूंजीपतियों को सौंपना चाहती है। लेकिन कोकण के लोग आत्मसम्मान वाले हैं और इस साजिश को सफल नहीं होने देंगे।

उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से कहा,

अब रोने का नहीं, लड़ने का समय है। कांग्रेस को मजबूत करने के लिए काम करें, पार्टी आपके साथ खड़ी है।

इस बैठक में कई वरिष्ठ नेता हुए शामिल

इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे, जिनमें -

विधायक भाई जगताप

पूर्व सांसद हुसैन दलवाई

पूर्व विधायक हुस्ना बानो खलीफे

रमीस केर

कांग्रेस के उपाध्यक्ष गणेश पाटिल

सहित अन्य पदाधिकारी शामिल थे।

अब देखना होगा कि कांग्रेस कोकण में बीजेपी के खिलाफ कितना मजबूत अभियान चला पाती है और आगामी चुनावों में इस मुद्दे का क्या असर पड़ता है।

लेडी सिंघम शीतलताई चाटे का बीड शहर बचाव मंच की ओर से नागरिक सत्कार

सामाजिक संगठनों, प्रतिष्ठानों और राजनीतिक दलों की व्यापक सहभागिता

बीड (प्रतिनिधि):

रयत सामाजिक प्रतिष्ठान द्वारा राज्यस्तरीय कर्तव्यदक्ष महिला प्रशासकीय अधिकारी पुरस्कार से सम्मानित होने के बाद बीड जिले की शान बनीं शीतलताई चाटे, जिन्हें लेडी सिंघम के रूप में जाना जाता है, का बीड शहर बचाव मंच की ओर से नागरिक सत्कार किया गया। इस सम्मान समारोह में मराठवाड़ा शिक्षक संघ, राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी, बीड जिला कम्युनिस्ट पार्टी, भाजपा ओबीसी सेल, आधार व्यसनमुक्ति सेवा केंद्र, एसटी कामगार संघटना, संपादक व पत्रकार संगठन, जिला वकील संघ, राजस्व विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, मातृभूमि प्रतिष्ठान सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों और शहर के गणमान्य नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

शीतलताई चाटे, जिन्होंने अपनी कर्तव्यपरायणता और निडर प्रशासनिक कार्यशैली से बीड जिले की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत की है, वर्तमान में पाली सर्कल राजस्व विभाग में मंडल निरीक्षक के रूप में कार्यरत हैं। प्रशासनिक सेवा में रहते हुए उन्होंने हमेशा कानून और संविधान के दायरे में कार्य किया है और किसी भी प्रकार के राजनीतिक या बाहरी दबाव के आगे झुके बिना अपने कर्तव्यों को निभाया है। बीड शहर बचाव मंच ने उनके इसी कर्तव्यनिष्ठ कार्य के सम्मान में यह नागरिक सत्कार आयोजित किया।

शेतकऱ्यांच्या हिताची लढाई

शीतलताई चाटे ने अपने कार्यकाल में गरीब और जरूरतमंद किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता दी है। जब भी किसी गरीब किसान परिवार पर प्राकृतिक आपदा आती है या किसी किसान ने आत्महत्या कर ली, तो उन्होंने व्यक्तिगत रूप से जाकर उनके परिवार से मुलाकात की और सरकारी योजनाओं के तहत आर्थिक सहायता दिलाने का कार्य किया। उनकी इसी समर्पित सेवा को देखते हुए उन्हें तलाठी पद से मंडल निरीक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया।

बीड शहर बचाव मंच का पूर्ण समर्थन

बीड शहर बचाव मंच ने घोषणा की कि वह हमेशा ऐसे कर्तव्यपरायण अधिकारियों के साथ खड़ा रहेगा और भविष्य में भी उनके समर्थन में आगे रहेगा। इस सत्कार समारोह के अवसर पर बीड शहर बचाव मंच के निमंत्रक व कार्याध्यक्ष नितीन जायभाये, मराठवाड़ा शिक्षक संघ के अध्यक्ष कॉमरेड डी.जी. तांदले, बीड जिला कम्युनिस्ट पार्टी के सचिव भाऊराव प्रभाळे, महाराष्ट्र एसटी कामगार संघटना के सुधीर देशमुख, राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के बीड शहर अध्यक्ष परवेज कुरैशी, वकील संघ के एड. अविनाश बारगजे, आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष अशोकराव येडे, आधार व्यसनमुक्ति सेवा केंद्र के तेजस घुमरे, तथा कई पत्रकार, वकील और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। इस मौके पर मातृभूमि प्रतिष्ठान की ओर से भी शीतलताई चाटे को सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी मान्यवरों ने प्रशासकीय कार्यपद्धति और प्रशासनिक अधिकारियों की भूमिका पर विचार-विमर्श किया और शीतलताई चाटे को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

मा.राज्यमंत्री मेघना बोर्डीकरने अपने मतदारसंघ मे बंजारा महिला वो के साथ मनाया होली उत्सव!

जिंतूर (एम एजाज जिंतुरकर) बंजारा समाज मे परंपरा से चलती आ रही! लेगी,डफ नगारा, ऐसें ढोल ताषो पर लोकसमुह नृत्य आविष्कार होली आज भी बंजारा समाज के वस्ती तांडे पर महिला ऐ, पुरूष, एक साथ आकर पारंपरिक वेशभूषा मे होली उत्सव मनाते हैं! लेगी नृत्य बंजारा समाज का फेव्हरेट नृत्य हैं! मतदारसंघ के सभी बंजारा बस्ती यो मे तांडो पर होली बंडी उत्साह के साथ मनाई जाती हैं! जिंतूर विधानसभा क्षेत्र की विधायीका तथा महाराष्ट्र राज्य की राज्यमंत्री सौ मेघना ताई साकोरे बोर्डीकर के अपने मतदारसंघ के बंजारा समाज की महिला वो के साथ कई वर्षों से ये होली उत्सव बंजारा समाज महिला वो के पारंपरिक वेशभूषा परिधान कर के बडे उत्साह के साथ मनाती आ रही हैं! राज्यमंत्री मेघना बोर्डीकर ये मतदारसंघ के सभी जाती धर्म के नागरिक को के सण,ईद, हर उत्सव मनाती हैं! और मतदारसंघ मे सामाजिक सलोखा अबाधित रहे! सभी जाती धर्म के लोग भाईचारे के साथ रहे सामाजिक सलोखा बना रहे! ये प्रयास करती रहेती हैं!इस वर्ष के होली सण राज्यमंत्री मेघना बोर्डीकर ने अपने मतदारसंघ के सभी बजारा समाज के बस्ती आडगाव तांडा,इटोली तांडा, गणेश नगर तांडा,सावळी तांडा, आदी तांडो पर जाकर बंजारा महिला वो के साथ डफ, नगारा ढोल ताशे के ताल पर बंजारा समाज के विविध नृत्य करते हुवे! बंजारा समाज की संस्कृती का जतन कर होली सण उत्साह के साथ मनाया! इटोली तांडा मे वहा की महिला सरपंच, और भारतीय जनता पार्टी की महिला तालुकाध्यक्ष भी बंजारा समाज वेशभूषा मे होली उत्सव मे साथ रही! इस बार मतदारसंघ के बंजारा समाज की महिला वो को राज्यमंत्री मेघना बोर्डीकर के साथ होली उत्सव एक साथ मनाने की खुशी दिखाई दी

मादळमोही : गाव के सईद सगीर शेख नामक ०८ वर्षीय बच्चे ने अपने जीवन का पहला रोज़ा पवित्र रमज़ान महीने में पूरा किया। उसने सुबह लगभग पांच बजे रोज़ा रखा और शाम छह बजकर ४० मिनट पर इफ्तार किया। इस उपलब्धि पर उसके परिवार के सदस्य, रिश्तेदार और मित्रों ने उसकी सराहना करते हुए बधाई दी।

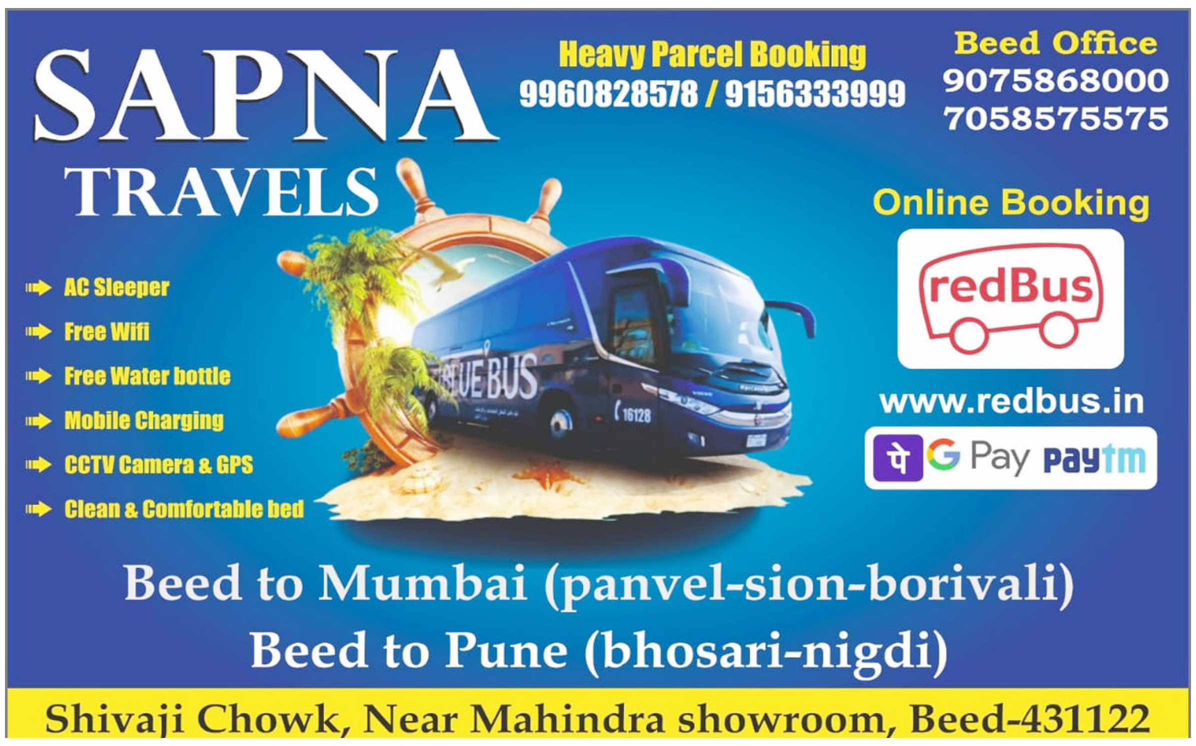

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com